आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–26 जनवरी 2025 सान्ध्य समाचार

प्रदेश भर में छिहत्तरवां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानसभा के सामने परेड की सलामी लीं। इस दौरान निकाली गयी झांकियों में प्रदेश के विकास और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखायी पड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर ध्वज फहराया और पूरे प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हमें न्याय, संहिता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नयी प्रेरणा प्रदान करता है। सम और विषम परिस्थितियों में यह पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने में सफल रहा है।

हमें अपने संविधान पर गौरव की अनुभूति इस बात के लिये भी करनी चाहिए कि दुनिया के अन्दर सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का सौभाग्य हमारे देश को है। यहां पर बिना भेदभाव के प्रत्येक जाति, मत, सम्प्रदाय, मजहब को पहले आम चुनाव से ही हर वयस्क मतदाता को मताधिकार की ताकत प्राप्त होती है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर श्री योगी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संविधानसभा के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि यह बाबा साहब डॉक्टर अम्बेडकर के नेतृत्व का परिणाम है कि आज भारत के पास एक समावेशी और प्रगतिशील संविधान है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष दो हजार पच्चीस का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष दो हजार पच्चीस का शुभारम्भ करने वाले देश का पहला राज्य है। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ दो हजार पच्चीस को सहकारिता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि प्रयाग में आज करीब ढाई से तीन करोड़ लोग पवित्र संगम में डुबकी लगाने पहुंचे हैं। यह पूरा कार्य स्वचालित और आपसी सहभागिता के आधार पर चल रहा है। भारत के जीन में ही सहकारिता की भावना रची–बसी है। इस अवसर पर श्री योगी ने सुल्तानपुर में पांच हजार और कौशाम्बी में पन्द्रह हजार मीट्रिक टन के गोदामों का उद्घाटन किया। उन्होंने रन फॉर कॉर्पोरेशन मैराथन का भी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया।

****

मौनी अमावस्या से पहले ही प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी है। पिछले दो दिनों में ही सवा करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में स्नान किया है। मौनी अमावस्या के दिन करीब दस करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे लेकर मेला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां की है। पूरे मेला क्षेत्र में वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। संगम तटों पर बैरिकेडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिये हर सेक्टर और जोन में विशेष व्यवस्था की गयी है। इस दौरान किसी भी तरह का प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। संगम तट पर अत्यधिक भीड़ न हो इसके लिये इंटीग्रेटेड कंट्रोल एण्ड कमांड सेंटर निगरानी करेगा। भीड़ वाले इलाकों में त्वरित कार्यवाही के लिये विशेष दल तैनात किये गये हैं। प्रमुख मार्गों पर खास निगरानी की जा रही है साथ ही अराजक और संदिग्ध लोगों पर भी नजर रखी जा रही है। मेला क्षेत्र में सभी पार्किंग को सक्रिय कर दिया गया है। दो हजार से अधिक नये साइनेज बोर्ड लगाये गये हैं ताकि श्रद्धालु सही दिशा में आसानी से जा सकें। श्रद्धालुओं से मेला का आधिकारिक चैटबॉट डाउनलोड करने की अपील की जा रही है ताकि उन्हें हर तरह की जानकारी मिल सके।

****

केन्द्र सरकार ने यूनीफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस के लिये कल अधिसूचना जारी कर दी। इसके तहत केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति से पहले के अन्तिम बारह महीनों के औसत मूल्य वेतन का पचास प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। इसका लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा जो पहले से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली यानी एनपीएस से जुड़े हैं और इस विकल्प को चुनेंगे। यूपीएस अपनाने वाले कर्मियों के महंगाई भत्ते में समय–समय पर वृद्धि होगी। यह स्कीम देश भर में एक अप्रैल दो हजार पच्चीस से लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार सेवा से हटाये जाने, बर्खाश्तगी या कर्मचारी के इस्तीफे की स्थिति में यूपीएस या सुनिश्चित भुगतान उपलब्ध नहीं होगा। यूपीएस की घोषणा केन्द्र सरकार ने अगस्त दो हजार चौबीस में की थी। इसे पुरानी पेंशन योजना और नयी पेंशन योजना दोनों को मिलाकर बनाया गया है। यह कर्मचारियों के लिये पेंशन सुनिश्चित करती है।

****

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पीलीभीत में टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा छात्र–छात्राओं को फ्री सफारी कराई गई तथा टाइगर रिजर्व के स्टाफ, नेचर गाइड एवं सफारी वाहन चालकों ने सफाई अभियान चलाकर जंगल को साफ रखने का संकल्प लिया।

****